Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 11-03-2006

Participants : Singh Shri Prabhunath

an>

Title : Regarding working of Rural Banks.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान गांव से जुड़े हुए ग्रामीण बैंक की तरफ आकृट करना चाहता हूं। ग्रामीण बैंकों की इस देश में तब आवश्यकता महसूस की गयी जब वाणिज्यिक बैंकों से गांव के किसानों को समुचित ऋण या समुचित लाभ नहीं मिल रहा था। एक सोच के तहत ग्रामीण बैंकों को इस देश में स्थापित किया गया। आज की तारीख में लगभग 500 जिलों में 14 हजार ग्रामीण बैंक कार्यरत हैं। गांव के किसानों को ग्रामीण बैंकों के माध्यम से कृाि से संबंधित या अन्य तरह के ऋण मुहैया किये जाते हैं। ग्रामीण बैंक यूनिट जिला स्तर पर पहले से स्थापित थे। हमारा यह कहना है कि आज हर चीज को प्रतियोगिता में शामिल किया जा रहा है। ग्रामीण बैंक को क्षेत्रीय आधार पर एक ही राज्य में कई बैंकों के साथ, कहीं स्टेट बैंक, सैंट्रल बैंक और विभिन्न स्पॉन्सर्शिप के आधार पर टुकड़ों-टुकड़ों में स्थापित किया जा रहा है जबकि हर बैंक के अपने अलग-अलग नियम हैं। ऐसी स्थिति में ग्रामीण किसानों को इसका लाभ नहीं मिलेगा। वे सब लाभ से वंचित हो जायेंगे। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि नाबार्ड के माध्यम से ग्रामीण बैंकों को कम से कम राज्य में एक यूनिट बनाकर किसानों के हित में स्थापित किया जाये ताकि गांव के किसान को इसका लाभ मिल सके। हम विश्वास रखते हैं कि सरकार को यह बात अच्छी लगेगी और सरकार इस बात को महसूस करते हुए इसे स्थापित करेगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. SPEAKER : The other matters will be taken up at the end of the day.

Now Item no. 17.